

12/12/2021

दिन की शुरुवात

हमारे दिन की शुरुवात तय करती है की हमारा पुरा दिन कैसा गुजरेगा। अगर हमारे दिन की शुरुवात ही दड़बड़ाहट से होगी तो, हम सारा दिन दड़बड़ी में रहेंगे। हो सकता की इस कारन हम बहुत सारी बातें भुल जायें या हमसे कुछ गलती हो जाये।

उदाहरण के तौर पर → रजक राम नाम लड़का सुबह छह बजे उठकर पाठशाला जाने के लिए तैयार होता था। रजक दिन राम ने सोचा की, "थोड़ी देर ओर सो लेता हूँ, वैसे भी मुझे तैयार होने में ज्यादा वक्त नहीं लगता।" जब राम उठा तब उसने देखा की घड़ी में सात बज चुके थे, राम की माँ आई और राम को डाँटने लगी, "तुम अब तक तैयार क्यों नहीं इन्हो? पाठशाला शुरू होने में बस रजक घंटा बकी है।"

राम जैसे-तैसे तैयार हुआ और दड़बड़ाहट से नाश्ता करते-करते उसके हाथ से बंदुछ का प्लास गिर गया। फिर क्या था, होम मिनिस्टर से के डाँट-फटकार का सैलाब फिर जाग उठा। राम का पुरा दिन ऐसा ही

बिता, पाछाता में देरी से पहुँचा तो अध्यापक से
डॉट पड़ी। तब से शम ने ठान लिया की वह हमेशा
जल्दी उठेगा।

अब आप ही सोचिये की कितनी छोटी बात थी, अगर वह
जल्दी उठ जाता तो उसका दिन इतना बुरा नहीं बिता।
इसलिए हमें हमारे दिन की शुरुवात किसी तरह बेहतर
हो करनी चाहिए और कभी-भी हड़बड़ाहट में काम
नहीं करना चाहिए। हड़बड़ाहट में बनने वाले काम भी
खराब हो जाते हैं।

धन्यवाद।

नाम : वैष्णवी गणेश मंडा

कक्षा : 12वीं

Email : Vaishnavimanzav@gmail.com.